डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे
गुरु एक्सप्रेस
सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 51 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 30 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

मुल्तानपुरा पुलिस ने पकड़े पिकअप से गौवंश

मंदसौर, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर थाने की मुल्तानपुरा चौकी पुलिस ने बायपास स्थित मुल्तानपुरा फंटे पर एक पिकअप को रोका। उसकी तलाशी ली तो उपर कैरेट जमे हुए थे। जबकि, अंदर ठूंस-ठूंस कर 9 गौवंश भरे गए थे। पुलिस ने जब तलाशी अभियान शुरु किया तो मौका देखकर पिकअप चालक राजा पिता रहीम कोड़ा निवासी मुल्तानपुरा व पिकअप मालिक हैदर पिता आमिन कन्ना निवासी मुल्तानपुरा भाग निकले। मामले में पुलिस ने दोनो फरार आरोपियो के विरूद्ध 4,6,9 गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 4, 6, 9, 10 मध्यप्रदेश कृषक पशु परीरक्षण अधिनियम व 11 (1) घ पशुओ के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने पिकअप क्रमांक आरजे 23 जी 7031 को जप्त कर पशुओ को गौशाला में छुड़वाया है। जबकि, फरार दोनो आरोपियो को तलाश रही है। बताया गया है कि आरोपी राजस्थान के केकड़ी से अवैध रूप से गौवंश भरकर महाराष्ट्र के धुलिया बुचड़खाने ले जा रहे थे।

मतदाता था खामोश, मत देकर भी है मौन, हम तेरे साथ हो लिये...

चल रही चर्चा, आखिर जीतेगा कौन?

मतदान के बढ़े प्रतिशत में जागरुकता, लाड़ली बहना या फिर बदलाव, पता चलेगा रविवार को

मंदसौर 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले की चारों विधानसभा में मतदान के प्रतिशत में गत विधानसभा चुनाव की अपेक्षा 2 से 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ा मतदान प्रतिशत का ऊंट किस करवट बैठेगा, कहा नहीं जा सकता है। लेकिन, मतदान का बढ़ा प्रतिशत जागरुकता कहा जा सकता है, या फिर लाड़ली बहना की वोटिंग अथवा बदलाव की बयार भी कही जा सकती है। मापदंड तीनों है, जिसमें मतदाताओं की खामोशी से कोई सकारात्मक रिजल्ट पूरी तरह नहीं निकाल पा रहा है। मतदान के बाद से रोज ही दिन भर मंदसौर, गरोठ, सुवासरा एवं मल्हारगढ़ के साथ ही मनासा, नीमच, जावद और जावरा विधानसभा के चुनावी चटकारों में यही चर्चा चलती है कि आखिर जीतेगा कौन? जिस तरह मतदाताओं ने खामोश रहकर अपनी ''एक दिन ऊंगली'' करने का तरीका दर्शाया है, उस तरह से तो जीत का वास्तविक गणित भी कोई बिठा नहीं पा रहा है। लेकिन, यदि जागरुकता है तो अच्छी बात है, जिससे भाजपा के पक्ष में पॉजिटिव है और वक्त है बदलाव वाला किस्सा गूंजा तो अलटी-पलटी भी संभव है। हां लाड़ली बहना वाला मुद्दा चला तो हो सकता है भाजपा फिर बहुमत हासिल कर ले।

विधानसभा चुनाव में भारी भरकम मतदान होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी अब आंकड़ो के गणित में उलझ रहे है। दोनों ही खेमे में प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने पक्ष में डले वोटों की गणना की जा रही है। मतदान पूर्व प्रत्याशियों द्वारा मतदान केंद्रवार उन मोहल्लों में की गई मेहनत को आधार बनाकर हार-जीत का गणित बिठाया जा रहा है। हार-जीत के इस गणित को पोलिंग बूथ पर सक्रिय रहे कार्यकर्ता भी अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं। इस गुणा भाग में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल के प्रत्याशियों को लगने लगा है कि वे इस बार चुनाव मैदान के दंगल की बाजी मार जाएंगे।

निर्दलीय भी गणित में उलझे...

हार-जीत के आंकड़ों के इस गणित में निर्दलीय प्रत्याशी मल्हारगढ़ से श्यामलाल जोकचंद भी पीछे नहीं है। वे भी गणित लगा रहे हैं कि आखिर हमने हमारा काम किया है, जिसका फल जरूर मिलेगा। इस बार मतदाता पहले से ज्यादा समझदार हो गया है। यही कारण है कि मतदाताओं ने इस बार मतदान करने में समझदारी से काम लिया है। चौराहों पर चर्चा है कि इस बार मतदाताओं के ईरादे अलग दिखाई दिए है। इस कारण मतदाताओं को लुभाने का गणित इस बार सही निशाने पर नहीं बैठता दिख रहा है। प्रत्याशी केवल अपने पक्ष की जगह अपनी पार्टी के पक्ष में कितने वोट गिरे, इसका आकलन कर रहे है। ताकि उन्हें भी समझ में आ जाए कि ऊंट किस करवट बैठ रहा है। हालांकि हार-जीत का ऊंट अभी खड़ा है, जो 03 दिसम्बर रविवार को मतगणना शुरू होने के बाद ही अपनी करवट लेगा।

जातिगत गणित से भी आंकड़ों में उतार-चढ़ाव...

पिछले बार के विस चुनाव की अपेक्षा इस बार के चुनाव में जातिगत गणित भी एक पहलू है। जहां प्रत्याशी अपने-अपने जातियों के हिसाब से भी वोट अपने पक्ष में डलने के आंकड़ों में उलझ रहे हैं। वहीं इस गणित में पाटीदार, जैन सहित अन्य समाजो का भी अहम रोल पनपा है। साथ ही ओपीएस की मांग को लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ रहे कर्मचारियों का मतदान भी अहम रोल अदा कर सकता है। क्योंकि, कर्मचारियों ने ईवीएम और मतपत्र दोनो से मतदान किया है, जो सत्ता के पक्ष में भी है और साथ ही नाराज भी है।

सटोरियों का भी अपना अलग नेटवर्क...

बता दें कि मंजे मंजाए सटोरियो के गणित का निशाना सटीक बैठता है। सटोरियों का भी अपना अलग ही नेटवर्क है। कौन सा प्रत्याशी हारेगा और कौन सा जीतेगा, इसके लिए सटोरियों ने भी पूरी तरह गणित बिठाना शुरू कर दी है। हर पोलिंग बूथ पर हुए मतदान के आंकड़ो के बल पर सटोरिये अपना गणित बिठा रहे है। इस गणित में पिछली बार हुआ मतदान भी जोड़ा जा रहा है। पिछली बार हुए मतदान से मंदसौर, मल्हारगढ़, गरोठ और सुवासरा विधानसभा में दो से तीन प्रतिशत ज्यादा मतदान हुआ है। ऐसे में मतदाताओं ने खामोश होकर सोच समझ कर विधानसभा क्षेत्र के विकास का जिम्मा किस प्रत्याशी को सौंपा है, इसका आकलन करने में तरह-तरह के गणित सामने आ रहे हैं।

नव मतदाताओं का रूझान तय करेगा ताजपोशी...

बता दें कि इस बार नवमतदाताओं का रूझान भी भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए विधायकी की ताजपेशी की दिशा तय कर सकता है। मंदसौर जिले के लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रो में 9-10 हजार नव मतदाता बढ़े है। यह सभी नव मतदाता प्रत्याशियों के भविष्य और भाग्य की दशा और दिशा भी तय करने की स्थिति में दिख रहे हैं। लेकिन, इनका रुख किस ओर गया है, यह तो 3 दिसंबर को ही पता चल सकेगा।

शीतलहर का असर....

दोपहर में भी गर्म कपड़े पहनने को किया मजबूर

नौनिहालों के स्कूल टाइम में बदलाव, 9 बजे पहले नहीं लगेंगे स्कूल

मंदसौर, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मावठे के बाद अब शीतलहर अपना पूरा असर दिखा रही है। बुधवार का पूरा दिन शीतलहर की चपेट में रहा। दिन भर आसमान में बादल छाये रहे और ठंडी हवाएं चलती रहीं। लोगों को पूरे दिन गर्म कपड़े पहनने को मजबूर होना पड़ा। शीतलहर को देखते हुए नौनिहालों के स्कूल टाइम में भी बदलाव किया गया है। अब नन्हे बच्चों के स्कूल सुबह 9बजे बाद ही लगाए जा सकेंगे।

पिछले दो तीन दिनों से जारी शीतलहर ने बुधवार को पूरे दिन अपना जबर्दस्त असर दिखाया। पूरा दिन आसमान में बादल छाए रहे और बेहद ठण्डी हवाएं चलती रही। इसी का नतीजा था कि घरों से बाहर निकलने वाले लोगों को दिन में भी गर्म कपड़े पहनना पड़े।

मौसम के मिजाज को देखते हुए कलेक्टर दिलीप यादव ने नन्हे बच्चों के स्कूल का टाइम सुबह नौ बजे के बाद रखने का आदेश दिया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में समस्त शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई आदि शैक्षणिक संस्थाओं में नर्सरी से लेकर 5 वीं तक की कक्षाएं प्रात: 9.00 बजे से बाद संचालित की जा सकेगी।

मंडी व्यापारी के मुनीम को बदमाशों ने लूटा

घायल मुनीम को बड़े अस्पताल में भर्ती किया, पुलिस जांच में जुटी

नीमच, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बघाना थाना क्षेत्र के ग्राम लेवडा मार्ग पर कलेक्शन एकत्रित कर लौट रहे मंडी व्यापारी के मुनीम को बदमाशों ने आंखो ने मिर्ची डालकर लूट लिया। अज्ञात बदमाशों ने पहले चलते वाहन में मुनीम के सिर पर लाठी से वार किया और उसकी आंखों में मिर्ची डालकर रूपयो से भरा बैग लेकर मौके से फरार हो गए। इस वारदात में घायल मुनीम को नीमच के बड़े अस्पताल में उपचार चल रहा है। अज्ञात बदमाशों ने मुनीम के साथ कितने रुपए की लूट को अंजाम दिया है, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। क्योंकि, पहले मुनीम के साथ 5 लाख की लूट होना बताया जा रहा था। परंतु बाद में पुलिस के समक्ष बयान के दौरान मुनीम अपने साथ करीब 2 लाख के आसपास की लूट होने की बात कह रहा है। ऐसे में पुलिस भी असमंजस की स्थिति में है। फिलहाल पुलिस ने बड़े अस्पताल में भर्ती मुनीम के बयान लिए हैं। मामले में जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार जीएम इंटरप्राइजेस फर्म के मुनीम सोनू अहीर जब पेमेंट कलेक्शन करते हुए मंगलवार की शाम लेवड़ा रोड से मंडी लौट रहे थे, तभी उसके पीछे से अज्ञात बदमाशों ने उसके सिर पर वार किया और आँखों में मिर्ची डाल उसका बेग लेकर मौके से फरार हो गए। सोनू के अनुसार बेग में पांच लाख से ज्यादा का कलेक्शन था। जैसे ही ये खबर पुलिस को लगी तो हर तरफ बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई। जबकि, मुनीम सोनू को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस बयान में मुनीम अपने साथ 2 लाख के आसपास की लूट बता रहा है। ऐसे में मामला संदेहास्पद नजर आ रहा है। बहरहाल पुलिस जांच के बाद ही खुलासा हो पायेगा की आखिर इस वारदात को अंजाम देने वाले कौन है ओर मुनीम के साथ कितने की लूट हुई है।

वीरा राणा बनी प्रदेश की मुख्य सचिव

भोपाल, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव का प्रभार आज गुरुवार से 1988 बैच की आईएएस अधिकारी वीरा राणा संभालेगी। वे इकबालसिंह बेस का स्थान लेगी। श्रीमती राणा, निर्मला बुच के बाद दूसरी महिला मुख्य सचिव होंगी। बुधवार को हुई मंत्री परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। वीरा राणा वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष और प्रदेश की कृषि आयुक्त का प्रभार संभाल रही है।

मामला नाबालिग के साथ कुकर्म का...

पीड़िता के कथन हुए, आरोपी युवक को आज करेंगे अदालत में पेश

मंदसौर, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना क्षेत्र के भालोट ग्राम में एक निर्माणाधीन मकान में एक युवक द्वारा नाबालिग बालिका के साथ कुकर्म किया गया था। जिसका वीडियो आरोपी युवक के साथियो ने बना लिया था। बाद में किसी बात को लेकर नाराजगी जताते हुए वीडियो वायरल कर दिया था। मामले में बालिका की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक विजय पिता उदयलाल कुमावत को गिरफ्तार कर लिया था। जिसे गुरुवार को अदालत में पेश किया जाएगा। जबकि, बुधवार को अदालत में पीड़िता के 164 के तहत बयान दर्ज हुए है।

नई आबादी पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने मंगलवार को अपने परिजनो के साथ थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बीती 19 नवंबर को विजय पिता उदयलाल कुमावत ने भालोट के ही बालाजी मंदिर के पास निर्माणाधीन मकान में ले जाकर कुकर्म किया था। इस दौरान आरोपी विजय के दोस्त शुभम और जयदीप ने आपत्तिजनक हालत का वीडियो बना लिया। जिसे वायरल भी कर दिया। जब यह मामला आमजन तक पहुंचा तो शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने तीनो आरोपियो के विरूद्ध भादंसं की धारा 376, 354, 292, 509, 506, 34 व पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस दोनो फरार आरोपियो को तलाश रही है। इस मामले में नई आबादी थाने के उप निरीक्षक विवेचना अधिकारी श्री महेन्द्र यादव ने कहा कि पीड़िता के 164 के बयान अदालत में दर्ज हो गए है। जबकि, आरोपी युवक को गुरुवार को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अन्य फरार आरोपियो को तलाश रही हैं।

राज्यों में पहले से मौजूद है भाजपा नेताओं में टकराव...

मंदसौर/उज्जैन, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के अहम का टकराव अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। जब शीर्ष नेताओं के आपसी पंगे सतह पर आएंगे तो प्याज के छिलकों की तरह परतें भी खुलेगी। देश की जनता आजादी के बाद से ही वर्तमान भाजपा को जनसंघ के जमाने से देखते आ रही है। अनेक त्यागी और सिर्फ अपने मिशन पर ही काम करने वाले प्रचारक भी देखें जो अपना घर बार छोड़ कर दो जोड़ी कपड़े और एक झोला लेकर संघ के उद्देश्य पूर्ति के लिए निकल पड़े थे। जहां जाने का आदेश मिलते रहने को सार्वजनिक ओटला, चबूतरा, धर्मशाला या किसी कार्यकर्ता के घर में जगह और खाना मिल जाए तो खुद को धन्य समझते थे।

यह वृत्तांत इसलिए बताना पड़ा कि अब उसी भाजपा में पावर और संपन्नता की स्पर्धा इतनी गहरी समा गई है की हैसियत का पैमाना बन चुकी है। काम साथ में कर रहे हैंद्ध सरकारों में शामिल हैं। लेकिन, एक दूसरे को निपटाने के लिए अपनों को ही शिकार बना रहे हैं। अपनों से ही अपनों को निपटवा भी रहे हैं। गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान उत्तर प्रदेश की महामहिम आनंदीबेन पटेल भाजपा की कुलीन विधायक छवि वाली महिला नेता की नातिन के दवाई कारखाने पर इनकम टैक्स का छापा पड़ जाए तो क्या समझ जाएगा? सामान्य सा ज्ञान रखने वाला किसी भी दल का कार्यकर्ता यह मानने को तैयार नहीं होगा की इनकम टैक्स अधिकारियों ने किसी मुखबीर की दी गई पुख्ता जानकारी मिलने के कारण शुक्रा फार्मास्यूटिकल जो संस्कृति पटेल की कंपनी है, पर छापा मारा है।

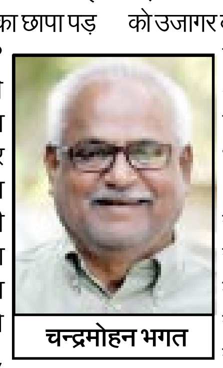

चन्द्रमोहन भगत

जिन अधिकारियों की भाजपा के मामूली विधायक पर हाथ डालने की हिम्मत नहीं होती है, वे गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की राज्यपाल की नातिन के संस्थान पर छापा मारेंगे ? स्पष्ट है कि यह भाजपा की अंदरूनी पावर और संपन्नता की लड़ाई है। जिसमें कोई आनंदी बेन पटेल की राजनैतिक और प्रशासनिक हैसियत कम करना चाहता है या अपनी हैसियत बढ़ाकर दिखाना चाहता है। वह भी तब जब भाजपा के महामानव नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय मुखिया का रोल निभा रहे हैं। जाहिर है आपस की यह प्रतिस्पर्धा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी की नींव में पड़ी दरार को उजागर कर गई है। अभी इस छापेमारी की घटना की प्रतिक्रिया आना बाकी है। जैसे ये सतही कारवाई थी, वैसे ही प्रतिक्रिया भी सार्वजनिक होगी ही।

इसी स्तर की सांगठनिक कमजोरी को उजागर करने वाला दूसरा मामला भी पावर और संपन्नता से जुड़ा केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का है। बीते एक पखवाड़े से यूट्यूब के समाचार चैनलों और व्हाट्सएप की दुनिया में चल रहा है कि तोमर परिवार ने मंत्री पद का दुरुपयोग करते हुए 10 हजार करोड़ रुपए कनाडा में गांजा भांग की खेती करने में इन्वेस्ट किए हैं। ऐसा बताने वाला जगमनदीप सिंह खुद उनका पारिवारिक मित्र रहा है, तोमर के बेटों, बहुओं को अच्छे से जानता है। जो मामला इसने उजागर किया है उसका समय विधानसभा चुनाव ही क्यों चुना गया? जबकि खुद कह रहा है कि लोकसभा चुनाव के समय उजागर करना था। जगमनदीप सिंह के इस वाक्य से यह माना जा सकता है की कोई इनका अपना पारिवारिक राजनीतिक प्रतिस्पर्धी या साथी ऐन वक्त पर तोमर को निपटाना चाहता था! एक यु ट्यूबर ने उजागर भी किया कि उन्हें नरेंद्र तोमर के करीबी ने बताया कि भाई साहब यह तो किसी घर के भेदी ने उजागर किया है, विपक्षियों में इतनी क्षमता कहां बची है। खैर कोई अपना करीबी कहे ना कहे पूरा घटनाक्रम भी ये ही दर्शाता है कि नरेंद्र तोमर को मुख्यमंत्री की दावेदारी से दूर खदेड़ना था तो कोई ना कोई पुख्ता गवाह वाला ब्रह्मास्त्र छोड़ना पड़ेगा सो छोड़ दिया गया।

यह भी सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि ऐसा विभीषण कौन हो सकता है जो उनकी कनाडा वाली डील को नाभि से निकाल कर लोकमत से सत्ता पाने के राजनीतिक युद्ध के दौरान चला देगा। खैर अब चल गया है तो दाम नरेन्द्र तोमर को देना ही पड़ेगा। पर क्या ये भी आनंदीबेन की तरह अपने मुखिया को यह कह सकेंगे की मेरे पलटवार हो तो तब कोई समझौता या बीच बचाव करने नहीं आए! अभी तो इन्हें और उन्हें जिन्होंने वीडियो युद्ध छेड़ा है, आगामी 3 दिसंबर के नतीजे देखना है। नतीजे दोनों में से जिसके भी अनुकूल होंगे, वह अपने प्रतिद्वंद्वी को जमींदोज कर देगा। ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि प्रतिस्पर्धा सार्वजनिक और मुखर हो गई है। भले ही खेलने वाले खिलाड़ी अदृश्य उपस्थिति दे रहे हो!

इस वीडियो के सार्वजनिक होने के पहले तक नरोत्तम मिश्रा भी एक छोर संभाले अवसर का इंतजार कर रहे थे। किस्मत वाले निकले कि कुछ भी करना नहीं पड़ा और दोनों छोर का आपसी शीत युद्ध रौद्र आकार लेने लग गया है। इतना कि अब कोई बीच बचाओ और समझौता नहीं होगा और इसी का फायदा उठाने के प्रयास करते नजर आए। भाजपा की राजनीति में अधिकार और संपन्नता पाने की होड़ में यह देखना होगा कि पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती किसका साथ देती है। क्योंकि, भाजपा के लालची लड़ाको के बीच उमा भारती आज भी पावर और संपन्नता के पैमाने से बाहर रहकर भी अपनी सांगठनिक दक्षता के साथ प्रादेशिक नेता की निर्विवाद छवि कायम रखे हुए हैं। अत: जिसे साथ देंगी वह प्रदेश की भावी राजनीति में भाजपा नेतृत्व पा सकेगा।

विचार-मंथन

वैश्विक कानूनों की कसौटी पर भी विचार की जरूरत

कतर की एक अदालत में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को जिस तरह मौत की सजा सुनाई गई थी, वह पहले ही सवालों के घेरे में थी। इसलिए भारत की ओर से इस पर कोई ठोस पहलकदमी या कूटनीतिक कदम उठाए जाने की उम्मीद की जा रही थी। इसी क्रम में भारत ने कतर की अदालत के फैसले के खिलाफ औपचारिक रूप से अपील की थी। इस संबंध में आई खबर के मुताबिक, अब कतर की अदालत ने भारत की इस याचिका को स्वीकार कर लिया है और इसका अध्ययन कर जल्दी ही सुनवाई शुरू की जाएगी। इस तरह न केवल मौजूदा कानूनी दायरे के बरक्स विकल्पों पर विचार हो सकेगा, बल्कि मानवीय लिहाज से भी इस फैसले का आकलन किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर अलग-अलग देशों के बीच जैसे संबंध होते हैं, उसके मद्देनजर भी कानूनी कसौटियों पर विचार और जरूरत के मुताबिक उसकी उचित व्याख्या की जरूरत महसूस की जाती है। यह भी देखे जाने की जरूरत होती है कि क्या ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय कानूनों की कोई भूमिका बनती है। यों भी, अपने नागरिकों पर किसी अन्य देश में कानूनी कार्रवाई पर अपना रुख तय करना किसी भी देश का अधिकार है। यह आरोपों की गंभीरता और प्रकृति पर निर्भर करता है कि कोई देश ऐसे मामले में क्या प्रतिक्रिया देता है। कतर में जिन आठ भारतीय नौसैनिकों को मौत की सजा सुनाई गई है, उन पर लगे आरोपों के बारे में कोई साफ तस्वीर नहीं है। फिर अगर वहां की कानूनी व्यवस्था ने अपनी कसौटियां लागू की भी, तो यह देखने की जरूरत है कि क्या मौत की सजा के अलावा अन्य कोई विकल्प मौजूद नहीं है। गौरतलब है कि जिन अधिकारियों को सजा सुनाई गई, वे कतर की एक निजी नौसेना कंपनी में नौकरी करने गए थे। मगर पिछले साल कतर की पुलिस ने इन अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया था। हैरानी है कि शुरुआती दिनों में कतर ने इस मामले को गुप्त रखा। हालांकि इससे संबंधित खबरों में यह बताया गया कि पकड़े गए अधिकारी इजराइल के लिए कतर की पनडुब्बी परियोजना की जासूसी कर रहे थे। मगर इस मसले पर जिस स्तर की गोपनीयता बनाए रखी गई और पारदर्शिता का खयाल नहीं रखा गया, उससे उसके औचित्य को लेकर सवाल उठे। भारत के लिए यह अपने नागरिकों के प्रति मानवीय दायित्व का मामला भी है, इसलिए इसकी ओर से इस सजा पर फिर से विचार करने की अपील करना स्वाभाविक है। अब कानूनी कार्रवाई और सजा को लेकर कतर की अदालत ने अगर भारत की अपील पर विचार करना मंजूर किया है, तो यह मानवीय तकाजों के लिहाज से एक जरूरी कदम होने के साथ-साथ भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से भी सकारात्मक कदम है। हालांकि भारत और कतर के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर दोनों देशों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे मामलों में आरोपों के समांतर अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक समीकरण के भी अपने तकाजे होते हैं। अगर कतर की अदालत में इस मसले पर पुनर्विचार किया गया और अधिकारियों को मौत की सजा को लेकर नरमी दिखाई गई, तो उसका अपना महत्त्व होगा। अन्यथा इसके बाद भारत के पास अंतरराष्ट्रीय अदालत में अपना पक्ष रखने का विकल्प बचा हुआ है। मगर यह इस पर निर्भर करेगा कि फैसले के मुताबिक सजा के अंजाम तक पहुंचने के बीच कितना वक्त मिल पाता है।

युद्ध से न अब जीत, न हार !

हरिशंकर व्यास

सच्चाई है पर अविश्वसनीय! इजराइल लाचार और फेल। पचास दिन हो गए है न हमास को इजराइल खत्म कर पाया और न वह बंधकों का पता लगा पाया। मजबूर हो कर उसने लड़ाई रोकी, और वह हमास से सौदेबाजी के साथ बंधकों व कैदियों की अदला-बदली कर रहा है। सवाल है पचास दिनों में इजराइल को क्या हासिल हुआ? यदि तटस्थता से सोचे तो पहली बार यहूदियों और इजराइल की चौतरफा बदनामी है! सिर्फ बीस किलोमीटर का एक इलाका और 20-22 लाख फिलीस्तीनी आबादी में से वह अपने बंधकों और हमास की लीडरशीप को ढूंढ नहीं पाया है तो इससे जहां इजराइली खुफियागिरी की पोल खुली है वही इजराइली सेना की असमर्थता और लाचारगी भी प्रमाणित है। साथ में बड़ा निष्कर्ष यह कि कोई कितनी ही मिसाइलें घनी शहरी बस्तियों पर दागे, बमबारी से शहरों को खंडहर बना दे लेकिन अपेक्षित सैनिक लक्ष्य अब वैसे प्राप्त नहीं हो सकते है जैसे बीसवीं सदी में हुआ करते थे। यह सत्य गाजा पट्टी से जाहिर है तो यूक्रेन के शहरों पर रूसी बमबारी से भी साबित है। सोचे, दो वर्षों में टीवी चैनलों पर दुनिया ने यूक्रेन और गाजा पट्टी पर बमबारी और विनाश की कैसी-कैसी भयावह तस्वीरें देखी मगर क्या यूक्रेनी लोगों का हौसला टूटा? क्या फिलस्तीनी लोगों के चेहरें तौबा करते दिखलाई दिए? क्या रूसी सेना और पुतिन को यूक्रेन पर हमले से सैनिक और राजनैतिक लक्ष्य हासिल हुए? क्या इजराइल के सत्ताखोर और अकड़ू प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनका वॉर केबिनेट जीत का दावा कर सकता है? सचमुच रूस और इजराइल दोनों का सैनिक महाबल लाचार और बेमतलब प्रमाणित है। न यूक्रेन पर रूस का कब्जा हुआ है और न होने वाला है तो इजराइल भी हमास को खत्म नहीं कर सकता। उत्तरी गाजा को बरबाद करने, चप्पे-चप्पे को तलाश लेने के बावजूद इजराइल अपने बंधकों का पता नहीं लगा पाया। न ही हमास के लड़ाकों या लीडरशीप को मार या पकड सका। वह वैश्विक कूटनीति के जरिए अपने बंधकों को छुड़ा रहा है और बदले में अपनी जेलों में बंद फिलीस्तीनी कैदियों को अधिक संख्या में छोड़ता हुआ है। हमास के नकाब पहने लड़ाके (या चाहे तो आंतकी माने) रेडक्रास को जैसे यहूदी बंधकों को सुपुर्द करते दिखे है वे न केवल सशस्त्र है बल्कि अपने समय, अपनी शर्तों व प्लानिंग से सबकुछ करते हुए है। सीधा अर्थ है कि भयावह तबाही और सबकुछ चौपट होने के बावजूद गाजा में फिलीस्तीनियों का नेतृत्व हमास का बना रहेगा। तो पचास दिन के इजराइली सैनिक अभियान से ग्राउंड रियलिटी क्या बदली है? शहर जरूर खंडहर हो गए है लेकिन न हमास खत्म हुआ है और न आम फिलीस्तीनी में हमास के खिलाफ यह गुस्सा या यह विद्रोह है कि ये हमारी तबाही के लिए जिम्मेवार। बरबादी के लिए दोषी। इन्हे हम पकड़वाएंगे। ऐसें युद्ध उन्मादियों से अब हम पिंड छुड़ाएंगे। सवाल है सभी बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनका वॉर केबिनेट क्या और बड़े पैमाने पर गाजा के चप्पे-चप्पे को खोद डालेंगा, आंतकियों को मिटा कर ही दम लेगा? संभव नहीं है। उलटा होना है। इसलिए क्योंकि गाजा के भीतर तथा वेस्ट बैंक, अरब-खाड़ी देशों और वैश्विक नैरेटिव में इजराइल ने आठ अक्टूबर के बाद से अपनी जो तस्वीर, अपनी इमेज बनाई है उसके चलते गाजा को पूरी तरह अधिनस्थ करना, उसे ओपन जेल बनाना या इन तरीकों से अपने को सुरक्षित बनाना संभव नहीं है। हमास के आंतकी हमले के बाद दुनिया में इजराइल के प्रति सहानुभूति-संवेदना थी। हमास को मिटाने, बदला लेने के तैवर, कार्रवाई में भी दुनिया साथ थी। लेकिन राजनैतिक-खुफिया और सैनिक लीडरशीप की यह नाकामयाबी थी जो इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों को बिना चिंहित किए अंधाधुन बमबारी की। रिहायसी इलाकों, स्कूल, अस्पतालों और नागरिक सेवाओं के तमाम केंद्रों पर। मानों वह आम फिलीस्तीनी आबादी से बदला ले रहा हो। इजराइल की कार्रवाई से यह फर्क नहीं झलका कि वह सिविल आबादी पर नहीं बल्कि आंतकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। इससे पूरी दुनिया में इजराइल जवाबदेह है तो यहूदी समुदाय न्यूयार्क से लेकर लंदन सभी और नफरत के शिकार होते हुए है। इसलिए न जीत और न लड़ाई का अंत। इजराइल कुछ भी कर लें उसकी 'आंतक के खिलाफ लड़ाई' का हश्र वही होना है जिसका अनुभव अमेरिका को हुआ है। अफगानिस्तान, इराक या उत्तर-पूर्व के अफ्रीकी देशों को हुआ है। कह सकते है कि युद्ध लड़कर 21वीं सदी में देश-कौम, सभ्यताओं की राजनीति नहीं सध सकती। इजराइल बनाम हमास के युद्ध का अलग नेचर है तो रूस-यूक्रेन लड़ाई का अलग। पर दोनों के मूल में राजनीति है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने विश्व राजनीति में यह फितूर पाला था कि पश्चिमी देश और नाटों ताकतवर होते हुए है। सो अपने अहंम में उन्होने रूस की सुरक्षा में विस्तारवादी आईडिया बनाए। क्रीमिया पर कब्जा किया और फिर यूक्रेन पर निशाना साधा। हां, राजनैतिक प्रतिस्पर्धा देश के भीतर हो या देशों के बीच, आम तौर पर पानीपत के मैदान नेताओं के अंहकार में बनते है। ऐसा पिछली सदी में भी था तो इक्कीसवीं सदी में भी है। बीसवीं सदी में नेताओं और देशों में जमीन की लड़ाई को लेकर महायुद्ध हुए। बाद में परमाणु हथियारों के विकास के बाद वैचारिक प्रतिस्पर्धा और ईगो के शीतयुद्ध में झगडे थे। पर सोवियत संघ के ढह जाने के बाद वैचारिकता खत्म हुई तो धर्म की कबीलाई लडाईयों का वक्त लौटा। अल कायदा के अमेरिका पर 9/11 हमले के बाद तो कई जगह, अफगानिस्तान से लेकर इराक में एक के बाद एक उन्मादी लड़ाईयां हुई। अमेरिका और पश्चिम के सभ्य समाजों ने हर संभव कोशिश की, साम-दाम-दंड-भेद से अफगानों को सभ्य बनाने में अरबों डालर फूंके लेकिन अंत नतीजा अमेरिका का कबीलाई बीहड से भागना था। साफ है कि युद्ध अब बिना जीत के घसीटते है। मकसद प्राप्ति के बिना सैनिक लड़ाईयां फुस्स होती है। सालों से सीरिया में लड़ाई चल रही है। यमन में इलाके बंटे हुए है। सूडान में लड़ाई चल रही है।

बाजार में इतनी रोशनी है, लेकिन इसके समांतर अंधेरा है...

शोभा जैन

इन कुछ महीनों को त्योहारों के मौसम के रूप में जाना जाता है, मगर वक्त के साथ इनके स्वरूप में बदलाव देखा जा सकता है। त्योहारों का असर समाज पर कितना पड़ा है, यह तो जगजाहिर रहा है, लेकिन दुनिया जिस कदर तेजी से बदल रही है, उसका असर त्योहारों पर पड़ता साफ दिख रहा है। दरअसल, त्योहार अब तारीखों से याद रखे जाते हैं और समय के बदलाव के साथ उनकी सामाजिक महक और मिठास भी बदल रही है तो यह स्वाभाविक प्रश्न होगा कि रोशनी के आयाम क्यों नहीं बदले? हर चीज के कारोबार की व्यवस्था है। इसमें इच्छाओं की, भावनाओं की, चारित्रिक मूल्यों की खरीद-फरोख्त होने लगे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। बाजार में इतनी रोशनी और चकाचौंध है, लेकिन इसके समांतर अंधेरा इस कदर घिर रहा है कि इसे चीरना संभव नहीं हो पा रहा। यह सवाल सामने खड़ा हो जाता है कि चारों ओर रोशनी फैलाने के लिए दीया तैयार करने वाले कुम्हार के जीवन में उजाला अब तक क्यों नहीं पहुंच सका? दरअसल, चिराग के बाजारीकरण में रोशनी का व्यावसायीकरण अब चलन में है। हमें इस उत्सवप्रियता के मोल का पता तभी चलता है, जब विध्वंस की कीमत चुकानी पड़ती है। एक दौर था, जब त्योहारों के मौके पर घर की महिलाओं द्वारा सबसे सुंदर रंग-रोगन और सृजन किया जाता था, तो उसकी महक और चमक, दोनों घर के वातावरण को खुशनुमा बना देती थी। गोबर और पीली मिट्टी में गेरू मिलाकर आंगन को गहरी भावनाओं के साथ लीपा जाता था। लीपने के समय ही अपनी कल्पना का हल्का-सा स्पर्श देकर छोटे-छोटे कंगूरे बनाए जाते थे। कंगूरे के हर घुमाव में भावनाएं बिखरी होती थीं। हालांकि आंगन से होकर घर में प्रवेश करने वाला हर शख्स खुद भी लीपने की मेहनत और सौंदर्य का सम्मान करने का खयाल रखता था, फिर भी अगर कोई थोड़ी लापरवाही बरतता था तो आंगन सूखने की प्रतीक्षा में हर आने-जाने वाले को टोका जाता था और उसके बाद बड़ा-सा मांडना यानी चौक 'पूरा' जाता था। अब इनकी जगह रेडीमेड या तैयार मांडने ने ले ली है, जिसे बाजार से खरीदकर केवल आंगन में चिपकाना भर पड़ता है। इस तरह, समय के साथ यह खूबसूरत कला शहर में सिमटती जा रही है। हालांकि बड़े शहरों, महानगरों में आंगन ही नसीब नहीं होते। फ्लैट की चारदीवारी में अपना जीवन गुजर-बसर करते लोग घर से सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक बस ट्रेन के सफर में आधा दिन जीते हैं, जीवन की आपाधापी में बंधे हुए-से। इस तरह के लोग चाकलेट के बंद डिब्बों की तरह अपने को बाहर की सुंदर सजावट में कैद कर अपने तक सीमित रह कर त्योहार मनाते हैं और सोशल मीडिया पर सामाजिक होने का दावा करते हैं। जबकि उनकी उन तस्वीरों में वे सामाजिकता से कोसों दूर होते हैं। यहां तक कि अगर उनसे उनके पड़ोसियों के बारे में पूछ लिया जाए तो शायद वे ठीक से कुछ न बता पाएं। हां, यह संभव है कि वही पड़ोसी किसी सोशल मीडिया के मंच पर उनके दोस्त हों। सवाल है कि इस तरह की आभासी दोस्ती का हासिल क्या, जब जमीन पर कोई है ही नहीं! बाजार के जाने-माने ब्रांड अपने लक्षित दर्शकों से जुड़ने के लिए लालायित हैं। पहले हमारे लिए छोटी-मोटी चिर-परिचित स्थानीय दुकानें महज बाजार नहीं थीं, वे पीढ़ियों को संबंधों से भी जोड़ती थीं। मगर अब कंपनियां सांस्कृतिक उत्सवों को एक ब्रांड संपत्ति के रूप में लोगों के सामने पेश कर रही हैं। इस तरह का प्रचार-प्रसार लक्षित दर्शकों के आधार पर आनलाइन या आफलाइन हो सकते हैं। हमारे यहां लोग अब कपड़ों से लेकर मसालों तक बिना ब्रांड के बात नहीं करते, बल्कि ब्रांड हमारा 'स्टेटस सिंबल' या हैसियत का प्रतीक भी बन जाते हैं। उपभोक्ता व्यवहार और व्यवसायों ने बाजार को भी एक संस्था बना दिया है- ब्रांडेड और स्थानीय के वर्ग विभाजन के साथ। ब्रांड के प्रचार-प्रसार के लिए अब विकल्प नहीं खोजना पड़ता, बस जरूरत जागरूकता, जुड़ाव और वफादारी की होती है, जो छोटी या स्थानीय दुकानों में किसी ठप्पे के बिना भी वापसी की शर्त पर बहुत कम दामों पर उपलब्ध है। टेलीविजन पर खूब सुंदर सजे-धजे संवादों से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करते विज्ञापन हमें इस बात के लिए मना ही लेते हैं कि त्योहारों पर घर की बनी मिठाइयों से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। आखिर हमारी जवाबदेही कहां है- अंधेरे को खत्म करने की या रोशनी बढ़ाने की? समृद्धि के वैभव और संस्कृति स्थापित आभामंडल के बीच तालमेल बिगड़ रहा है। संस्कृति में उभर रही विकृतियों को नजरअंदाज किया जा रहा है। इसलिए जरूरी है कि त्योहारों में आदान-प्रदान महज मिठाई या उपहारों का न हो, इस बात का भी हो कि प्रभावी कानून व्यवस्था और विवेकशील जागरूक नागरिकता की मजबूत कड़ी विस्तार ले। हमें रफ्तार की होड़ को विकास कहने से बचना होगा, क्योंकि जीवन आर्थिक विकास से कहीं अधिक अर्थपूर्ण है।

भारतीय श्रमबल में बढ़ने लगी युवा और महिला भागीदारी

भारत के श्रम बाजार के संबंध में दो हालिया घटनाक्रम हमारा ध्यान खींचते है। सबसे पहले, संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया कि दुनिया के सर्वाधिक आबादी वाले देश के रूप में भारत चीन से आगे निकल गया है, कामकाजी उम्र की आबादी में हमारी हिस्सेदारी अगले 13 वर्षों तक बढ़ेगी। दूसरा, प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन ने कार्यबल में महिला भागीदारी पर अपने काम के लिए अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार जीता। ये खबरें पिछले माह भारत के वार्षिक आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के जारी होने के साथ मेल खाती है। साथ ही, इससे रोजगार में मौजूदा रुझानों को समझने में भी सहूलियत होती है। युवा रोजगार में वृद्धि हो रही है। भारत के उत्तरी व मध्यवर्ती राज्यों में युवा आबादी के साथ-साथ युवा रोजगार में भी वृद्धि हो रही है। पीएलएफएस के अनुसार, युवा (आयु 15 से 29 वर्ष) बेरोजगारी दर 2017-18 के 17.8 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 10 प्रतिशत हो गई है, जबकि युवाओं की श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 38.2 प्रतिशत से बढ़कर 44.5 हो गई है। साल 2021 में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 6.90 करोड़ युवा, बिहार में 3.50 करोड़ युवा और मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ युवा है। उत्तर प्रदेश की बात करें, तो यहां युवा बेरोजगारी दर साल 2017-18 के 16.7 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 7.0 प्रतिशत हो गई है। भारत में युवाओं की आबादी बढ़ाने वाले राज्य भी अब युवा रोजगार में वृद्धि का नेतृत्व कर रहे है। महिला श्रमबल भागीदारी दर में भी वृद्धि हुई है। महिलाओं में शिक्षा बढ़ी है। उनके नामांकन में भारी वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, उच्च माध्यमिक शिक्षा में महिला सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को लें, जो 2004-05 में 24.5 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 तक 58.2 प्रतिशत हो गया है। उच्च शिक्षा में महिला नामांकन 6.7 प्रतिशत से चार गुना हो गया है। अब 27 प्रतिशत से अधिक महिलाएं उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने लगी हैं, इससे आने वाले दशकों में भारतीय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी और बढ़ जाएगी। इससे भारत में कार्यबल की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। ध्यान रहे, भारत में एक-चौथाई आबादी 15 वर्ष से कम उम्र की और आधी से अधिक आबादी 30 वर्ष से कम उम्र की है। भारतीय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। यह 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है। कामकाजी स्त्रियों की संख्या में वृद्धि के साथ ही स्व-रोजगार व कृषि कार्य में हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है। सबसे पहले, स्व-रोजगार की हिस्सेदारी में वृद्धि ग्रामीण उत्पादन में महिलाओं के बढ़ते योगदान का संकेत है। यह कई कारणों से हुआ है, जिसमें कृषि उत्पादन में निरंतर उच्च वृद्धि व स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ ईंधन, स्वच्छता आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच के विस्तार से महिलाओं के समय व संसाधन की बचत हुई है। 'कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' में प्रस्तुत एक शोध पत्र में यह निष्कर्ष सामने आया कि हर घर नल जल से भी कार्यबल में स्त्रियों की भागीदारी बढ़ी है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट' में भी इस तथ्य को दोहराया गया है। दूसरी बात, जहां महिला कार्यबल की संरचना कृषि की ओर झुक रही है, वहीं पुरुष कार्यबल का झुकाव कृषि क्षेत्र से दूर हो रहा है। ग्रामीण महिला कार्यबल के बीच व्यवसाय के रूप में कृषि की हिस्सेदारी 2017-18 में 73.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 76.2 प्रतिशत हो गई है, वहीं ग्रामीण पुरुष कार्यबल में कृषि-हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से घटकर 49.1 प्रतिशत हो गई है।

योगी के हैदराबाद के नाम बदलने के बयान पर भड़के ओवैसी तो आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा की बदलकर पाकिस्तान रख दें

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5070

2	9			7	4			
	1					4		
6	7		9		5			
	8		2		6			
	6		8	4	7		2	
			5		1		8	
			7		8		9	2
		6					1	
			4	1			5	8

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5069

1	8	5	7	4	9	2	3	6
7	9	4	2	6	3	8	5	1
3	6	2	8	1	5	7	4	9
9	4	7	1	3	8	5	6	2
5	2	1	9	7	6	3	8	4
8	3	6	5	2	4	1	9	7
6	1	3	4	5	2	9	7	8
2	5	8	6	9	7	4	1	3
4	7	9	3	8	1	6	2	5

वर्ग पहेली 5070

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह भारत में स्थापित होने वाला (विदेशी पूंजी के सहयोग से) पहला बैंक था (1770 में स्थापित) (8)
6. जल प्राप्ति का कृत्रिम स्रोत, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
7. नाम लेकर बुलाना, फरियाद करना, चुनौती देना, आह्वान करना (3)
8. पहाड़ी के नीचे का मैदान, आंचल, पल्ला (3)
10. भास्कर, दिनपति, रवि, दिनकर, सूर्य (3)
12. झुकना, लचकना, प्रणाम करना (3)
14. सामर्थ्य, क्षमता, वश (2)
16. रघुवंश के अनुसार राजा दिलीप के पुत्र व श्रीरामचंद्र के परदादा, रघुकुल के मूल पुरुष यही थे (2)
17. साधना, तपस्या, योगाभ्यास, अति परिश्रम (2)
18. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
19. कार्यस्थिति, निर्वहन, तामील (3)
20. ख्वाहिश, इच्छा, मांग, लालसा (3)
21. खोज करना, सर्च करना (3)

ऊपर से नीचे

1. महाजनी संस्थान (2)
2. किसी केंद्रीय कम्प्यूटर से जुड़ा हुआ व उसके द्वारा नियंत्रित (5)
3. फलयुक्त होना, फल देना, फल आना (3)
4. जिसमें पूंछ लगी हो, पूंछवाला (4)
5. चक्षु, नेत्र, आंख (3)
9. विवश, लाचार, बेबस (4)
10. निर्जनता, वीरान, शून्यता (4)
11. रामायण के अनुसार समुद्र में रहने वाला एक प्रसिद्ध जिसे समुद्र पार करने के समय हनुमान जी को रोका था (3)
13. अर्थ, स्वार्थ, खुदगर्जी, आशय (4)
15. राज्याभिषेक, बादशाह का गद्दी पर बैठना (4)
19. मस्तूल, मेढ़, पालन करने वाला (2)

वर्ग पहेली 5069 का हल

जा	पा	न	■	मं	नो	लि	या
लि	ल	■	आ	य	रा	■	च
प	■	अ	म	ला	■	पा	क
था	म	ना	■	र	■	र	■
■	■	मि	हि	र	मे	न	■
इ	ला	का	■	म	■	ला	वे
रा	ज	■	दां	■	आ	■	रू
दा	■	ना	ले	■	भा	र	त

हमीदिया अस्पताल में बनेगी स्पेशल बैंक स्ट्रीट, मरीजों को जरूरत पर मिलेगी त्वरित मदद

बैंक स्ट्रीट बनाने का प्रस्ताव तैयार ब्लड, आई बैंक की तर्ज पर अब बोन, स्किन और मिल्क सहित अन्य बैंक का निर्माण की योजना

भोपाल नप्र। राजधानी के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल हमीदिया में बैंक स्ट्रीट तैयार करने की तैयारी है। यह रुपयों वाले बैंक नहीं बल्कि ब्लड और आर्गन बैंक होंगे, जो रोगियों और उनके स्वजन की मुश्किलों को आसान करेंगे। ऐसे एक या दो नहीं, बल्कि आधा दर्जन से ज्यादा बैंक बनाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि ब्लड, आई बैंक की तर्ज पर अब बोन, स्किन और मिल्क सहित अन्य बैंक का निर्माण करने के प्रस्ताव बनाए जा रहे हैं। यह सभी बैंक एक साल में काम करने लगेंगे। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि सभी बैंक बन जाने के बाद यहां हर तरह की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

बैंक जो अपग्रेड हुए

ब्लड बैंक : यहां 18 सौ यूनिट रक्त संग्रहण की क्षमता थी, जो अब बढ़कर 28 सौ यूनिट हो गई। अब बाहरी मरीजों को भी यहां आसानी से ब्लड मिल जाएगा। यही नहीं हमीदिया ब्लड बैंक में सबसे एडवांस ब्लड एफेरेसिस यूनिट है। जिसमें मरीजों को शुद्ध सिंगल डोनर प्लेटलेट्स मिलते हैं। इसे ल्यूको डिप्लेसिस ब्लड कहा जाता है।

आई बैंक : हाल ही में इसे अपग्रेड किया गया है। अब दान में मिली आंखों को सात दिन तक स्टोर किया जा सकता है। दान में मिली आंखों की गुणवत्ता जांचने के लिए पेकुलर माइक्रो स्कोप का उपयोग किया जाता है, इससे कोशिकाओं की गिनती कर आंख की गुणवत्ता पता की जाती है। मालूम हो कि बैंक में हर साल 20 से 25 लोग अपनी आंखें दान करते हैं।

इन पर होना है काम

बोन बैंक : इसमें दान की गई या आपरेशन के दौरान निकाली गई हड्डियों को डीप फ्रीजर में 40 से 70 डिग्री सेल्सियस पर रखा जाता है। इनका उपयोग बोन ट्यूमर निकालने के बाद खाली जगह को भरने और जोड़ प्रत्यारोपण में होता है। यही नहीं, दुर्घटनाओं में हड्डियां टूटने, कैंसर या दूसरे तरह के ट्यूमर से खराब होने वाली हड्डियों के बदलने में भी यहां से ली गईं हड्डियों का उपयोग हो सकता है।

स्किन बैंक : जिस तरह से लोग अंगदान करते हैं, उसी तरह से स्किन डोनेशन हो सकेगा। हालांकि इसके लिए राज्य सरकार की मंजूरी मिलना जरूरी है। इससे झुलसे और घायल व्यक्तियों को राहत मिलेगी। स्किन बैंक बनने से डोनेशन में मिली स्किन को छह महीने तक बैंक में रखा जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर इसका उपयोग हो सकेगा। अभी तक बैंक नहीं होने से स्किन डोनेशन नहीं हो पा रहा है

मदर मिल्क बैंक : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत भोपाल व इंदौर में ह्यूमन मिल्क बैंक खोलने की योजना तैयार की गई थी। जयप्रकाश अस्पताल में शुरुआत हो चुकी है। अब हमीदिया अस्पताल से प्रस्ताव भेजा जा रहा है। मिल्क बैंक में पाश्चराइजेशन यू रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीज, आरओ जैसे संसाधनों के जरिये छह माह तक मां के दूध को सुरक्षित रख सकते हैं। हमीदिया में इसे लेकर स्थान भी चयनित हो चुका है।

स्पर्म बैंक : व्यक्ति के स्पर्म को स्टोर किया जाता है। जरूरतमंद कपल्स को फर्टिलिटी क्लीनिक्स के माध्यम से मुहैया कराया जाता है। मालूम हो कि हमीदिया में टेस्ट ट्यूब बेबी और फर्टिलिटी क्लीनिक्स तैयार की जानी है। इसके तहत ही आगे की कार्ययोजना पर काम किया जाएगा।

हेयर बैंक : मानव अंगों की तरह यहां बालों को रखा जाएगा। कैंसर से जूझ रहे मरीजों के बाल झड़ जाते हैं। ऐसे में बैंक से बाल लेकर मरीजों में ट्रांसप्लांट किया जा सकेगा। हालांकि अब तक इसका प्रस्ताव कागजों में ही है।

हम हमीदिया में बैंक स्ट्रीट तैयार करने लिए लगातार काम कर रहे हैं। पुराने बैंकों को अपडेट करने के साथ कुछ नए बैंकों के लिए प्रयास किया जा रहा है। यहां आने वाले लोगों को उच्च गुणवत्ता वाला उपचार उपलब्ध कराने की योजना है।

- डा. आशीष गोहिया, अधीक्षक, हमीदिया अस्पताल, भोपाल

मण्डल कार्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

भोपाल (नप्र)। 28.11.2023 (मंगलवार) को मण्डल कार्यालय के प्रांगण में मण्डल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी नें सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं यूनियन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में भारतीय संविधान की उद्देशिका (हम, भारत के लोग, भारत को [एक संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को-सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और [राष्ट्र की एकता और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई0 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं), का वाचन किया। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक द्वारा अधिकारियों के साथ मंडल कार्यालय के बागीचे में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण अभियान को बल प्रदान किया गया। इसी प्रकार पूरे भोपाल मण्डल में संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें अधिकारियों व कर्मचारियों नें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

आईपीएस के प्रमोशन के लिए हुई डीपीसी

90-91 बैच के अफसर बनेंगे स्पेशल डीजी

भोपाल (नप्र)। मप्र कैडर के आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन के लिए मंगलवार को मंत्रालय में डीपीसी हुई। इसमें मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान और डीजीपी सुधीर सक्सेना मौजूद थे। डीपीसी में स्पेशल डीजी, डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी के पद के लिए अलग-अलग बैच के अधिकारियों के नाम पर विचार किया गया डीपीसी में 1990 और 1991 बैच के अधिकारी स्पेशल डीजी और 1999 बैच के अधिकारियों को एडीजी, 2006 बैच के आईपीएस आईजी, 2009 और 2010 बैच के अधिकारी को डीआईजी के पद पर पदोन्नति करने पर विचार किया गया। इसमें 1990 बैच के आईपीएस अफसर अनुराधा शंकर सिंह, विजय कटारिया, बीडी शर्मा, 1991 बैच की अधिकारी प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव, वरुण कपूर, उपेंद्र जैन और अलोक रंजन को स्पेशल डीजी बनाने पर विचार किया गया। इसमें 1999 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश गुप्ता, दीपिका सूरी, निरंजन बी वायगणकर के नाम पर विचार किया गया। हालांकि, निरंजन बी वायगणकर की एक मामले में जांच चल रही है, जिसकी वजह से अभी वह पदोन्नत नहीं हो पाएंगे।

आईजी के लिए इन नामों पर हुई चर्चा

आईजी के लिए 2006 बैच के अरविंद सक्सेना, अनुराग शर्मा, मिथलेश शुक्ला, अनिल कुशवाह, आरआरएस परिहार, रुचिवर्धन मिश्रा, चंद्रशेखर सोलंकी, एन चित्रा, राजेश हिंगणकर, अंशुमान सिंह, मनीष कपूरिया के नामों पर विचार किया गया। डीआईजी के लिए आईपीएस अधिकारी सिद्धार्थ बहुगुणा, निमिष अग्रवाल, मोहम्मद यूसुफ कुरैशी, अतुल सिंह, सतेन्द्र शुक्ला, तुषारकांत विद्यार्थी,अमित सांघी, साकेत पांडे, वीरेंद्र सिंह, प्रशांत खरे, आबिद खान, आशुतोष प्रताप सिंह के नाम पर विचार किया गया। 2011 बैच के आईपीएस अधिकारियों को सिलेक्शन ग्रेड देने पर भी चर्चा हुई।

बच्चों ने वाहन चालकों को रक्षा सूत्र बांधकर नियमों का पालन करने का आग्रह किया

पिपलियामंडी, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। डेफोडिल्स स्मार्ट स्कूल पिपलियामंडी द्वारा यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान 29 नवम्बर से प्रारंभ किया गया। स्थानीय गांधी चौराहे पर विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा अभियान अंतर्गत राहगीरों, वाहन चालकों को रक्षा सूत्र बांधकर सदैव यातायात नियमों का पालन करने एवं सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया गया।

विद्यालय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बताया कि सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी वर्ष 2022 दुर्घटनाओं के आंकडे डराने वाले है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में भारत में कुल 4,61,312 दुर्घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 1,68,491 लोगों ने जान गवाई, 4,43,366 लोग घायल हुए। इस रिपोर्ट ने बताया कि हर घण्टे 53 दुर्घटनाओं में 19 लोगों की मौत हुई। इनमे सीट बेल्ट व हेलमेट इस्तेमाल न करने वालों की संख्या सबसे अधिक रही, रिपोर्ट के अनुसार एक्सप्रेस वे सहित सड़क नेटवर्क का विस्तार हुआ है और गाड़ियों की संख्या में भी वृद्धि हुई हैं। रफ्तार एवं सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण दुर्घटनाओं में मृत्यु दर तेजी से बढ रही है। जो हमारे लिए गम्भीर चिंता का कारण है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम सड़क पर तय यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें एवं अन्य लोगों को प्रेरित करें। इस अवसर पर नगर के समाजसेवी, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित रहे। इस अभियान में स्थानीय पत्रकारबन्धुओं एवं पुलिस विभाग का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। डेफोडिल्स स्मार्ट स्कूल, पिपलियामंडी द्वारा यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान 20 दिसम्बर 2023 तक मल्हारगढ़ तहसील में चलाया जाएगा।

नियुक्ति और पहचान पत्र के सत्यापन के बाद ही गणना कक्ष में प्रवेश पा सकेंगे उम्मीदवारों के अभिकर्ता

नीमच, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिये उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त गणना अभिकर्त्ताओं को गणना कक्ष में प्रवेश के पहले रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतगणना अभिकर्ता से रिटर्निंग आफिसर के समक्ष मतदान की गोपनीयता को बनाए रखने के बारे में उसके नियुक्ति पत्र में अंतर्विष्ट घोषणा पर हस्ताक्षर किया जाना अपेक्षित होगा। नियुक्ति पत्र अथवा पहचान पत्र और घोषणा के सत्यापन के बाद रिटर्निंग आफिसर मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने की अनुमति देगा।

आयोग के निर्देशों के अनुसार रिटर्निंग अधिकारी किसी भी मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने से पहले उसे व्यक्तिगत तलाशी के अध्यधीन करने के लिए अधिकृत है। प्रत्येक मतगणना अभिकर्ता को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा एक बैज दिया जाएगा जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि वह किसका अभिकर्ता है और उस मेज की क्रम संख्या भी दर्शायी जाएगी, जिस पर वह मतगणना पर नजर रखेगा। गणना अभिकर्ता को उस मेज पर बैठे रहना होगा जिसके लिये उसे नियुक्त किया गया है। उसे दूर हॉल में चलने-फिरने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि अभ्यर्थी और उसके निर्वाचन अभिकर्ता की अनुपस्थिति में मतगणना अभिकर्ता को रिटर्निंग अधिकारी की मेज पर जाने की अनुमति होगी। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतगणना हॉल के अंदर सख्त अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी को रिटर्निंग अधिकारी के साथ पूरी तरह से सहयोग करना होगा। गणना अभिकर्त्ताओं को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन करना होगा। उन्हें ध्यान रखना होगा कि रिटर्निंग अधिकारी किसी भी व्यक्ति को मतगणना हॉल से बाहर भेज सकता है जो उसके निर्देशों की अवहेलना करता है। आयोग के निर्देशों में कहा गया है कि मतगणना की प्रक्रिया के दौरान मतगणना अभिकर्ता और अन्य व्यक्तियों को मतगणना हॉल के बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब एक बार मतगणना अभिकर्ता और अन्य लोग मतगणना हॉल के अंदर होते हैं, तो उन्हें आमतौर पर परिणाम घोषित होने के बाद ही बाहर जाने की अनुमति दी जायेगी। मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, आई पैड, लैपटॉप या ऐसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है जो ऑडियो या वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। गणना अभिकर्ता को मतगणना कक्ष में पेन, पेंसिल, सादा कागज या नोटपेड ले जाने की ही अनुमति होगी।

उक्त जानकारी मास्टिर ट्रेनर डॉ.राजेश पाटीदार एवं अक्षय सिह बावेल व्दा रा बुधवार को नीमच में अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं के लिए आयोजित मतगणना संबंधी प्रशिक्षण में दी गई। प्रशिक्षण में मतगणना की तारिख व समय, मतगणना कक्ष क्रमांक, मतगणना हाल के अंदर प्रवेश की अनुमति, मतगणना अभिकर्ता एवं दायित्वे, मगणना अभिकर्ता की नियुक्ति प्रति अभ्यदर्थी, अभिकर्ताओं की संख्या , अभिकर्ताओं की नियुक्ति की समय सीमा, अभिकर्ताओं की नियुक्अनु का प्रति संहरण, मतगणना हाल के भीतर आचरण, मतगणना अभिकर्ताओं की बैठक व्य वस्थाग, मतगणना की प्रक्रिया, गोपनीयता बनाए रखने, गणना पूर्व पोस्टभल बेलेट की संख्यास का मिलान, डाक मतपत्रों की गणना, ईव्हीबएम से मतों की गणना की प्रक्रिया, विधानसभावार, राउण्डस की संख्याा, गणना टेबल पर सीयू का आवंटन, वीवीपीएटी पर्चियों की गणना एवं उनका क्रम आदि बिंदुओं पर विस्तािर से जानकारी दी गई।

नपा द्वारा सड़कों पर विचरण करते गौवंश को पकड़ा

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। नगर की यातायात व्यवस्था में सडकों पर विचरण करने वाले पशु बाधक न बने इसके लिये नगर पालिका निरंतर अभियान चला रही है। इसी तारतम्य में विगत दिनो मंदसौर नगर के महू-नीमच रोड के मुख्य मार्ग व चैराहों पर विचरण करने वाले 18 गौवंश को पकडकर उन्हे गौ-शाला भिजवाया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह के निर्देशानुसार मंदसौर के महू-नीमच रोड, श्री कोल्ड चैराहा, बीपीएल चैराहा , उधमसिंह चैराहा, पुलिस पेट्रोल पंप चैराहा आदि स्थानों से 18 गौवंश को पकडकर उन्हे गौशाला भिजवाया गया। मंदसौर नगर पालिका की यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। मंदसौर नगर के पशुपालकों से नपा परिषद निवेदन करती है कि वे अपने पशुओं को अपने बाडे मे ही रखें, उन्हे सडको पर विचरण हेतु खुला नही छोडे।

बलाई समाज की संविधान संगोष्ठी व मिलन समारोह सम्पन्न

पिपलियामंडी, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय सर्व बलाई समाज के तत्वावधान में संविधान संगोष्ठी व दीपावली मिलन समारोह भोपाल इंदिरा भवन में सम्पन्न हुआ। जिसमें विधानसभा चुनाव लडे समाज के प्रत्याशियों का सम्मान किया। वहीं 2024 में रविन्द्र भवन भोपाल में समाज का अधिवेशन व नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर बडी संख्या में प्रदेशभर के विधायकगण, जनप्रतिनिधि व सामाजिक नेतागण उपस्थित रहे। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक खिंची ने किया।

मुकेश लौहार शिवसेना युवा जिलाध्यक्ष नियुक्त

पिपलियामंडी, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। युवा शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष अनुराग सोनार ने संभाग अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा व प्रभारी सुनील वर्मा की अनुशंसा पर मंदसौर जिला युवा शिवसेना अध्यक्ष (प्रमुख) पद पर मुकेश लोहार (पिपलियामंडी) को नियुक्त किया।

सामाजिक न्याय मंच ने मनाई फूले की पुण्यतिथि

पिपलियामंडी, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक न्याय मंच ने शिक्षा क्रांति के जनक, युग पुरुष महात्मा ज्योति बा फूले की 133 वीं पुण्यतिथि टीलाखेडा स्थित ज्योति बा फूले चोराहे पर मनाई। फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें यादव किया। इस अवसर पर किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द, कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल पाटीदार, पार्षदगण भूपेन्द्र महावर, बाबू मन्सूरी व अशोक कोहली, पूर्व जनपद सदस्य रामप्रसाद राठौर, पूर्व सरपंच जुझारसिंह, प्रीतिपालसिंह धाकड़ी, मानसिंह चोहान, राजेन्द्र उनियारा, महेश परिहार, राहुल कीथिरिया, राजेश मालवीय सहित बड़ी संख्या में सामाजिक न्याय मंच के सदस्य उपस्थित थे।

प्रदूषण रोकने हेतु दशपुर इनरव्हील ने वेबीनार का आयोजन किया

पुराने अखबार से घरेलू उपयोग सामग्री बनाना सिखाया, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने की सलाह दी

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। दशपुर इनरव्हील क्लब द्वारा ऑनलाइन जूम मीटिंग द्वारा वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें 100 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया इस वेबीनार में स्पीकर हिलोनी शाह कोची (केरल) द्वारा पुराने न्यूजपेपर्स को पुन: प्रयोग में लेकर घरेलू उपयोगी सामग्री बनाने एवं केतन सतासिया सूरत द्वारा प्लास्टिक पॉल्यूशन को रोकने और उनके उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वेबीनार का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती बीना शाह द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत क्लब अध्यक्ष श्रीमती श्वेता पोरवाल द्वारा किया गया। श्रीमती पोरवाल ने बताया कि यह वेबीनार पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया। वेबीनार के माध्यम से सभी को प्रदूषण न करने, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने आव्हान किया। इनरव्हील प्रार्थना क्लब आईएसओ सोनम मेहता द्वारा की गई।पूर्व अध्यक्ष प्रज्ञा दोषी ने दोनो स्पीकर्स का परिचय सभी को करवाया। वेबीनार का संचालन और भाग लेने वाले सभी सदस्य का आभार क्लब सचिव पीनल भुता ने किया। वेबीनार को सफल बनाने में क्लब सदस्य नीता रिछावरा ने भी अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया ।दोनो ही स्पीकर्स को क्लब द्वारा इनरव्हील क्लब लोगो वाले मोमेंटो और सर्टिफिकेट्स प्रदान कर सम्मानित किया गया।वेबीनार का समापन राष्ट्रगान के साथ क्लब सदस्य राखी परवाल ने किया। इस वेबीनार को सफल बनाने में जिला 302,305,306 और 307 ने भी सहभागिता करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

कलेक्टर ने की मतगणना तैयारियों की समीक्षा

नीमच, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा बुधवार को अधिकारियो की बैठक में विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत आगामी 3 दिसम्बर 2023 को होने वाली मतगणना की आवश्यक तैयारियों,प्रबंधों की विस्तार से समीक्षा की गई और सभी अधिकारियों को मतगणना के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना, सीईओ जिला पंचायत श्री गुरूप्रसाद, सभी आरओ, एआरओ और जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने मतगणना के लिए चेक लिस्टि अनुसार सभी आवश्यक प्रबंध, व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। बैठक में मतगणना परिणामों की उदघोषणा, एलईडी पर प्रदर्शन की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने मीडिया सेन्टर पर मतगणना के राउण्डवार परिणामों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में फोटोकापी करवाकर, मीडिया को उपलब्ध कराने के लिए फोटो कापीयर मशीन, मीडिया सेन्टर में लगने वाले, टीव्ही की व्यवस्था करने तथा मतगणना कर्मियों, मीडिया कर्मियों के लिए चाय, नाश्ता, पेयजल एवं भोजन की व्यवस्था के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	330	2100	2413
उडद	34	4999	8750
सोयाबीन	8000	4300	5040
गैहु	3000	2501	3031
चना	143	4950	5800
मसुर	171	4700	5950
धनिया	420	6701	7591
लहसुन	12200	10100	24200
मैथी	1100	5281	6686
अलसी	1919	4900	5340
सरसो	259	5100	5390
तारामीरा	7	4780	4826
इसबगोल	44	18000	20696
प्याज	9100	800	4191
कलोंजी	45	10700	16671
डॉलर	35	7380	14491
तिल्ली	2	14800	15300
मटरसुखी	5	2700	3052
असालीया	22	9101	10151

दो दिसम्बर को मनाया जाएगा भगवान श्री पशुपतिनाथ का 63वां प्रतिष्ठा महोत्सव

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथ का 63वां प्रतिष्ठा महोत्सव प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मार्गशीर्ष (अगहन) मास कृष्ण पक्ष की पंचमी 2 दिसम्बर शनिवार को श्री पशुपतिनाथ मंदिर पुजारी परिवार द्वारा भव्यतार्पूक मनाया जावेगा।

पुजारी श्री राकेश भट्ट द्वारा उक्त जानकारी देते हुए बताया कि उक्त दिनांक को प्रात: 7.30 बजे 51 विपृवृन्द द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ का महारूद्राभिषेक किया जावेगा। सायं 5 बजे से भगवान पशुपतिनाथ का नयनाभिराम आकर्षक श्रृंगार के दर्शन महाआरती, 2100 लड्डूओं का महाभोग, चारों मुखों का विविध दर्शन, भव्य आतिशबाजी, विशेष कलाकारों द्वारा धार्मिक शिवनाद प्रस्तुति आदि आध्यात्मिक आयोजन पश्चात् प्रसाद वितरण होगा। सभी श्रद्धालु शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया गया है।

मतगणना के दिन जैन कॉलेज व लॉ कॉलेज में रहेगी पार्किंग व्यवस्था, बैठक संपन्न

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। सुशासन भवन स्थित सभाकक्ष में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, अपर कलेक्टडर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान उपस्थित थे। बैठक के दौरान सभी राजनीतिक दलों से चर्चा की गई।

चर्चा के दौरान बताया कि मतगणना शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में प्रथक प्रथक 8 कक्ष में 3 दिसंबर को प्रात: 8 बजे से प्रारंभ होगी। मतगणना हेतु सलंग्न गणन अभिकर्ताओं, निर्वाचन अभिकर्ताओं के मोबाइल प्रथम सुरक्षा घेरे के बाहर (श्री कोल्ड चौराहे मंदसौर एवं जैन कॉलेज मंदसौर) में जमा करवाने हेतु सशुल्क व्यवस्था की जाएगी। मतगणना के दिन जैन कॉलेज एवं लॉ कॉलेज में पार्किंग व्युवस्थाह रहेगी। उम्मीदवार व मुख्य अभिकर्ता के फोन के लिए प्रवेश द्वार के पास मोबाइल रखे जाने हेतु कम्युनिकेशन रूम की व्यवस्था कि गई है। इसी परिसर में प्रत्येक विधानसभा कि लिए दो-दो रूम के मान से कुल 8 स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। जिन में मतदान उपरांत ईवीएम को रखा गया है। यह स्ट्रांग रूम 3 दिसंबर को प्रात: 7 बजे अभ्यर्थियों तथा प्रेक्षक महोदय की उपस्थिति में खोले जाएंगे। प्रत्येक मतगणना कक्ष में ईवीएम के मतों की गणना हेतु साथ-साथ टेबल रखी गई है। एक कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी तथा दूसरे कक्ष में सहायक रिटर्निंग अधिकारी व्यवस्थाएं देखेंगे। रिटर्निंग अधिकारी की कक्ष में एक टेबल पर डाक मतपत्र तथा ईटीपीबीएस मत पत्रों की गणना होगी। मतगणना परिसर में प्रवेश हेतु श्री कोल्ड चौराहे से परिवर्तित मार्ग पर वाहनों का प्रवेश रहेगा। यहां से पैदल होते हुए मतगणना स्थल पर अभ्यर्थी निर्वाचन अभिकर्ता पहुंचेंगे। मतगणना स्थल पर मोबाइल पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। संपूर्ण मतगणना परिसर की सीसीटीवी तथा वीडियोग्राफी के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। मतगणना समाप्ति एवं परिणामों की घोषणा उपरांत शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के परिसर से बाहर एवं संबंधित विधानसभा मुख्यालय एवं क्षेत्र में राजनैतिक दलों द्वारा निकाले जाने वाले जुलूस हेतु एसडीएम से अनुमति ली जाना अनिवार्य होगी।

भगवान की प्रत्येक लीला मनुष्य के हित में ही होती है-भागवतानन्दजी

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ महोत्सव संपन्न

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। श्री रामानुज कोट खानपुरा में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का समापन हुआ। निग्रह आचार्य श्री भागवत आनंद गुरुजी ने समापन दिवस व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान की प्रत्येक लीला में मनुष्य का हित निहित रहता है। कई बार ऐसा अनुभव किया जाता है कि हमारे साथ कुछ अच्छा नहीं हो रहा लेकिन वह होना ही किसी भावी अनहोनी से भगवान द्वारा हमें बचाया जाना है। यानी मनुष्य के जीवन में सुख दुख आनंद ये सब अनुभूति ईश्वर की इच्छा पर निर्भर करती है। आपने कहा कि महाभारत के युद्ध के समय दुर्योधन और अर्जुन दोनों ही भगवान कृष्ण के पास मदद मांगने गए कृष्ण ने दोनों के समक्ष यह प्रस्ताव रखा कि युद्ध में कोई भी एक पक्ष मेरी सेना मांग ले और दूसरा स्वयं मुझे किंतु मैं युद्ध नहीं करूंगा सारथी रहूंगा।भगवान श्री कृष्ण के इस प्रस्ताव पर दुर्बुद्धि दुर्योधन ने तत्काल सेना मांग ली जबकि अर्जुन ने विवेकपूर्ण बुद्धि से भगवान को मांगा यही अंतर होता है दृष्टिकोण का। आपने कहा कि दरिद्र वह होता है जो संतोषी नहीं होता। अति महत्वाकांक्षा का पूरा न होना भी दरिद्रता का ही एक लक्षण माना जाता है। निग्रहाचार्य जी ने कहा कि हमारे द्वारा किया गया दान पुण्य परलोक में हमारे पूर्वजों को शांति प्रदान करता है। आपने अगले वर्ष मंदसौर रामानुज कोट मंदिर परिसर में ही कथा प्रवचन करने का संकल्प व्यक्त किया। कथा विश्रांति के समय मंच पर प्रसिद्ध गौ कथाकार श्री दशरथानंदजी महाराज तथा कथा प्रवक्ता पं.दशरथ भाई शर्मा भी आसीन थे। इस अवसर पर व्यास सम्मान एवं पोथी पूजन श्री कृष्णचंद्र चिचानी,महेंद्र दुरग, बन्सीलाल टांक ,पं. देवेश्वर जोशी, राजकुमार चिचानी,सुरेश भावसार, घनश्याम भावसार,रमेश चंद्र चन्द्रे बिंदु चंद्रे, कांता भावसार, फुलकुंवर भावसार, दामोदर कालानी, मनोज मंडोवरा,दिनेश खत्री, पं. तुषार शर्मा पं.पंकज पंचोली ब्रजेश जोशी,सचिन पारिख पं.अरुण शर्मा,संध्या शर्मा आदि ने किया। संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार कृष्णचंद चिचानी ने माना। उक्त जानकारी समिति प्रक्ता सुरेश भावसार ने दी।

10 मई को पिपलिया में होगा माली समाज का सामूहिक विवाह

पिपलियामंडी, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। फूल माली चोखरा पंचायत का 16 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 मई 2024 को टीलाखेड़ा, पिपलियामंडी में होगा। बुधवार को टीलखेड़ा स्थित गणेशजी व राधाकृष्ण मंदिर पर पूजा-अर्चना के बाद विवाह सम्मेलन के पर्चे का वितरण किया। इस अवसर पर चोखरा पंचायत अध्यक्ष मुकेश जादव, मूलचन्द जादव, सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति अध्यक्ष भूपेन्द्र महावर, सचिव देवानन्द उणियारा, कोषाध्यक्ष महेश देवडा, सचिव गोवर्धन दय्या, उपाध्यक्ष वरदीचन्द राठौर, दिलीप देवडा, देवेन्द उनियारा, विजय सोलंकी, जितेन्द्र उनिराया, दिनेश दायम, श्यामलाल उनियारा, किशोर महावर, मनोहर जादव आदि समाजजनों ने झारड़ा, अरनिया माली, मनासा, भाटखेड़ी, जन्नोद, रामपुरा आदि जगह पहुंचकर पर्चों र्का वितरण कर समाजजनों से चर्चा की।

राहुल द्रविड़ बने रहेंगे हेड कोच, टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ पर लिया अंतिम फैसला

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। भारत के हेड कोच को लेकर बीसीसीआई ने बड़ा ऐलान कर दिया है। भारत के हेड कोच राहुल द्रविड़ ही बने रहेंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आईसीसी विश्व कप 2023 खत्म होते ही समाप्त हो गया था, लेकिन अब बीसीसीआई ने उनका कार्यकाल और तमाम स्टाफ मेंबर्स का कार्यकाल बढाने का फैसला किया है। ऐसे में अब राहुल द्रविड़ ही भारत के कोच रहेंगे। कयास लगाए जा रहे थे कि वीवीएस लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, लेकिन बीसीसीआई ने फिर से राहुल को ही कोच की जिम्मेदारी सौंपी है।

हेड कोच और स्टाफ मेंबर्स का कार्यकाल बढ़ाया-भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ के लिए एग्रीमेंट के विस्तार की घोषणा की। क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम को तैयार करने में द्रविड़ की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया है और उनकी असाधारण व्यावसायिकता की सराहना की है। बोर्ड एनसीए के प्रमुख और स्टैंड-इन हेड कोच के रूप में उनकी अनुकरणीय भूमिकाओं के लिए वीवीएस लक्ष्मण की भी सराहना की हें।

बीसीसीआई ने की राहुल द्रविड़ की तारीफ-बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा कि राहुल द्रविड़ की दूरदर्शिता, व्यावसायिकता और कठोर प्रयास के कारण टीम इंडिया सफलता के दिशा तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने राहुल द्रविड़ को लेकर कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में आप हमेशा अत्यधिक जांच के दायरे में रहते हैं और मैं इसका विस्तार करता हूं। न केवल चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए, बल्कि उनमें आगे बढने के लिए भी राहुल द्रविड़ की सराहना की जाती है। भारतीय टीम का प्रदर्शन उनके रणनीतिक मार्गदर्शन का सबूत है। बीसीसीआई अध्यक्ष ने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि उन्होंने मुख्य कोच बने रहने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और यह आपसी सम्मान की बात करता है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनके नेतृत्व में, टीम सफलता के शिखर तक अपनी यात्रा जारी रखेगी और रास्ते में नए मानक स्थापित करेगी।

नेशनल लोक अदालत 9 दिसम्बर के संबंध में बैठक सम्पन्न

नीमच, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली। एवं म.प्र.राज्या विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार नीमच जिले में 9 दिसम्ब र 2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त लोक अदालत के माध्यम से बैंक, नगरपालिका, बीएसएनएल एवं विद्युत विभाग के बकाया राशि वसूली के प्रीलिटिगेशन स्तर के प्रकरणों का भी अधिकाधिक संख्या में निराकरण किया जाना है। इसके लिए गत दिवस मंगलवार को सचिव जिला प्राधिकरण श्री विजय कुमार सोनकर द्वारा जिले के विभिन्न विभागों के सक्षम अधिकारीगण के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों अधिकारीगण को प्रीलिटिगेशन स्तर के अधिकाधिक संख्या में प्रकरण निराकरण के लिए लोक अदालत में रखे जाने तथा संबंधित पक्षकारों को एक सप्ताह के भीतर सूचना पत्र अनिवार्यत:प्रेषित करने संबंधी आवश्यक कार्यवाही करने, अपने उच्च विभाग से सम्पर्क कर, अधिकाधिक संख्या में राशि वसूली के प्रकरणों का निराकरण कर, आवश्यक कार्यवाही करने तथा संबंधित विभागों द्वारा दी जाने वाली छूट के संबंध में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री हर्षित बिसेन सहित शासन के विभिन्न विभागो के अधिकारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है, कि 9 दिसम्बर शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय नीमच सहित तहसील मुख्यालयों मनासा, जावद एवं रामपुरा में भी किया जायेगा।

भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सभी संस्थाऐं आर्थिक सहयोग करें-जैन

कलेक्टर ने की सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर सभी से मुक्तहस्त से सहयोग की अपील

नीमच, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर वर्ष 7 दिसम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय सेना के तीनों अंगों के ऐसे वीर जवानों के सहायतार्थ मनाया जाता है, जो देश की एकता, अखंडता की रक्षा एवं सीमाओं की सुरक्षा करते हुए शहीद हो गए या सदा के लिए अपंग हो गए। इन वीर जाबांज जवानों की कुर्बानी को याद करने के लिए राष्ट्र व्दारा हर वर्ष 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस प्रतीक स्परूप वाहन और टोकन ध्वज वितरण कर मनाया जाता है और प्रतिकात्मक ध्वजों के वितरण के दौरान स्वैच्छा से दी गई दान राशि एकत्रित की जाती है। इस निधि से प्राप्तम दान राशि का इस्तेंमाल इन वीर सैनिकों के आश्रितों, विकलांग सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के पूनर्वास तथा कल्याणार्थ किया जाता है। इसके अलावा एकत्रित की गई राशि कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर जिले के नागरिकों, स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों की बैठक में बुधवार को सभी से मुक्त हस्त से अधिकाधिक आर्थिक सहयोग करने की अपील की है। कलेक्टर श्री जैन ने जारी अपील में कहा है, कि जिले के सभी विभागाध्यक्षो, शासकीय व गैर शासकीय संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं से आग्रह है कि इस निधि में अधिक से अधिक राशि दान एकत्र कर देश के वीर सैनिकों का सम्मान करने का सौभाग्य प्राप्ति करें। कलेक्टर श्री जैन ने अपील की है, कि इस निधि की संग्रहित दान राशि सीधे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय व्दारा नियंत्रित खाता क्रमांक 10752354110, Amalgamated Special Fund for Rehabilitation and Re-construction of ESM of MP, State Bank of India, Main Branch, Mandsaur, IFSC Code SBIN0000422 में चेक, ड्राफ्ट, नेफ्ट से या सीधे बैंक, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में नगद जमा कर सकते है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस में दान की गई राशि पर, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 297(2) (के) के अंतर्गत आयकर से छूट का भी प्रावधान है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

10 किलो डोडाचूरा में 2 धराए

पिपलियामंडी, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ़ पुलिस ने खेरखेड़ा फन्टे पर ट्रक में एक कट्टे में रखा 10 किलोग्राम पीसा हुआ डोडाचूरा पकडा। इस मामले में पुलिस ने ट्रक में सवार थोबा (अमरदास, अमृतसर, पंजाब) निवासी दिलबाग पिता गजनसिंह जाट, व सरहिन्दा (पंजाब) निवासी राजवीर पिता जोगेन्द्रसिंह जाट को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया।

मतगणना कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। आगामी 03 दिसम्बर 2023 को विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना के कुशलतापूर्वक संपादन हेतु जिले के कुशाभाऊठाकरे सभा कक्ष में मास्टर ट्रेनर डॉ. जे के जैन एवं उनके सहायक टीम द्वारा मतगणना के लिए लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को द्वितीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में डाक मतपत्र की मतगणना किस प्रकार की जाना है, उसकी संपूर्ण प्रक्रिया एवं बारीकियां के बारे में प्रशिक्षार्थियों को अवगत कराया गया। डाक मतपत्र मतगणना संबंध में समीक्षा व विधिमान्य किए जाने वाले मतपत्र के बारे में बताया गया।

मास्टर ट्रेनर द्वारा नियंत्रण यूनिट/ कंट्रोल यूनिट के मतगणना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुवे उसे खोलना, उस पर लगे नंबरों का मिलान कैसे करना, सिलो की जांच करना व मतगणना संबंधी जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर द्वारा मतगणना के दौरान किस प्रारूप में आवश्यक प्रतिपूर्ति की जानी है के बारे में बताया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विहित नियमों का पालन करते हुए मतगणना कार्य संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक बिन्दुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। मतगणना के दौरान किए जाने वाले दायित्वों की जानकारी दी। इसके साथ ही मतगणना के संबंध में प्रमुख वैधानिक प्रावधानों, नियमों तथा मतगणना के दौरान कौन-कौन सी जरूरी सावधानी बरती जानी है इसकी जानकारी से मतगणना कर्मियों को अवगत कराया गया।

अवैध शराब जब्त

पिपलियामंडी, 29 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब सहित आरोपियों को पकड़ा। मल्हारगढ़ पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ सूठोद निवासी करणसिंह पिता शांतिलाल को, झारड़ा चोकी पुलिस ने 18 क्वार्टर के साथ कित्तुखेडी निवासी नागूलाल पिता सुखलाल को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे विधानसभा निर्वाचन के परिणाम

मंदसौर, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए दिनांक 17 नवम्बर को हुए मतदान की 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर 2023 को प्रात: 8 बजे से प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रात: 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप (VHA) पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा https://ceomadhyapradesh.nic.in पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

✽ उठावना ✽

मेरे पूज्य काका श्री पुष्कर लाल जी नकुम का स्वर्गवास दिनांक 28/11/2023 को हो गया था। जिनका उठवाना 30/11/2023 वार गुरुवार को शाम 4 बजे मेरे निजी निवास 82, चौधरी कॉलोनी मंदसौर में रखा गया हैं।

✽✽✽ शोकाकुल ✽✽✽
डॉ. अनिल कुमार नकुम
82, चौधरी कॉलोनी मंदसौर

✽ उठावना ✽

श्रीमती विमलादेवी पोरस का दु:खद देहावसान दिनांक 28 नवम्बर 2023, मंगलवार को हो गया है। जिनका उठावना आज दिनांक 30 नवंबर 2023, गुरुवार को दोपहर 2 बजे निज निवास तेजाजी मंदिर के पास, बालागंज, मंदसौर पर रखा गया है।

✽✽✽ शोकाकुल ✽✽✽
राजकुमार, जितेंद्र, रोमी व जय पोरस एवं समस्त पोरस परिवार
मंदसौर

आय से अधिक संपत्ति मामले में पटवारी को चार साल की सजा, 26.50 लाख रुपये का जुर्माना

उज्जैन, 29 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। आय से अधिक संपत्ति के 11 साल पुराने मामले में बुधवार को कोर्ट ने पटवारी को चार साल की सजा व 26.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। पटवारी के पास लोकायुक्त के छापे के दौरान एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति मिली थी, जबकि उसका कुल वेतन करीब 15 लाख रुपये था। करीब 84 लाख रुपये की अनुपातहीन संपत्ति मामले में कोर्ट ने सजा सुनाई है।

जिले के तराना में पदस्थ पटवारी बाबूलाल गोमर के इंदिरा नगर स्थित घर पर लोकायुक्त ने मार्च 2012 में आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापा मारा था। छापे के दौरान लोकायुक्त को पटवारी के यहां 8.66 लाख् रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, 35 बीघा कृषि भूमि, तीन दोपहिया वाहन सहित 1.01 करोड़ रुपये की संपत्ति के बारे में जानकारी मिली थी। वहीं, पटवारी की कुल आय करीब 15 लाख रुपये थी। करीब 84 लाख रुपये की अनुपातहीन संपत्ति पाई गई थी। 11 साल कोर्ट में चले मामले के बाद बुधवार को विशेष न्यायालय इंदौर के पीठासीन अधिकारी विशेष न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक की कोर्ट ने पटवारी को चार साल कैद व 26.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

पड़ोसी के यहां रखे थे जेवरात व कागजात-पटवारी बाबूलाल ने लोकायुक्त से बचने के लिए छापे से करीब एक माह पूर्व ही अपने पड़ोसी रामचंद्र के यहां पांच लाख रुपये कीमत के जेवरात, जमीन के कागजात रखे थे। रामचंद्र के यहां चोरी हो गई थी। इसमें चोर सारा सामान चुरा ले गए थे। बाद में पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर माल बरामद कर लिया था। उस दौरान खुलासा हुआ था कि पटवारी ने पड़ोसी के यहां जेवरात व कागजात रखे थे। इसके बाद से ही लोकायुक्त पटवारी की जांच कर रही थी। पुख्ता सबूत के बाद पटवारी के घर छापा मारा गया था।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी रामटेकरी मंदसौर स्थित सोसायटी भूखंड क्रमांक 153 जो की श्री रामनारायण कुमावत पिता श्री बगदीराम कुमावत को आवंटित किया गया था। उक्त भूखंड का पट्टाभिलेख दिनांक 26.08.1978 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में निष्पादित किया गया था।

श्री रामनारायण कुमावत पिता श्री बगदीराम कुमावत द्वारा उक्त भूखंड का विक्रय पत्र दिनांक 21.07.2023 को श्रीमति रश्मि जैन पति श्री जितेन्द्र जैन के नाम उप पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवा दिया था। प्रस्तुत दस्तावेजो एवं विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूखंड का नामांतरण श्रीमति रश्मि जैन पति श्री जितेन्द्र जैन अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर रामटेकरी मंदसौर स्थित सोसायटी भूखंड क्रमांक 153 का नामान्तरण श्रीमति रश्मि जैन पति श्री जितेन्द्र जैन के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

N OTICE

I "MURTAJA ALI" Resident of House No.-C-1, Burhani Nagar Mandsaur (M.P.) Have Changed My Name To "MURTAJA KULKA" For All Future Purposes.

Sincerely
MURTAJA KULKA
S/o ABDUL HUSAIN
C-1, Burhani Nagar Mandsaur (M.P.) - 458001

N OTICE

I "MALEKA" Resident of House No.-C-1, Burhani Nagar Mandsaur (M.P.) Have Changed My Name To "MALEKA KULKA" For All Future Purposes.

Sincerely
MALEKA KULKA
W/o MURTAJA KULKA
C-1, Burhani Nagar Mandsaur (M.P.) - 458001

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्डिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in